6 SEP 2019

drishti

ESSAY

निर्धारित समय: तीन घंटे
Time allowed: Three Hours

DTVF/19(JS)–ESY-E3

अधिकतम अंक: 250
Maximum Marks: 250

Name: SUNIL

Mobile Number:

Medium (English/Hindi): HINDI

Reg. Number: AWAKG-19 1B 013

Center & Date: DELHI 05/09/19

UPSC Roll No. (If allotted): 7105724

प्रश्नपत्र संबंधी विशेष अनुदेश

(प्रश्नों के उत्तर देने से पहले निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को कृपया ध्यानपूर्वक पढ़ें)

प्रवेश-पत्र में प्राधिकृत माध्यम में निबंध लिखना आवश्यक है तथा इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू. सी. ए.) पुस्तिका के मुखपृष्ठ पर निर्दिष्ट स्थान पर करना आवश्यक है। प्राधिकृत माध्यम के अलावा अन्य माध्यम में लिखे गए उत्तरों को अंक नहीं दिये जाएंगे।

प्रश्नों के उत्तर निर्दिष्ट शब्द-संख्या के अनुसार होने चाहिये।

प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़े गए किसी पृष्ठ अथवा पृष्ठ के भाग को पूर्णत: काट दीजिये।

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

(Please read each of the following instructions carefully before attempting questions)

The ESSAY must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in medium other than the authorized one.

Word limit, as specified, should be adhered to.

Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

	निबंध विषय संख्या (Essay Topic No.)	अंक (Marks)
खंड-A Section-A		
खंड-B Section-B		
सकल योग (Grand Total)		

मूल्यांकनकर्त्ता (हस्ताक्षर)
Evaluator (Signature)

पुनरीक्षणकर्त्ता (हस्ताक्षर)
Reviewer (Signature)

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।

(Candidate must not write on this margin)

खंड A और B में प्रत्येक से एक विषय चुनकर दो निबंध लिखिये, जो प्रत्येक लगभग 1000–1200 शब्दों का हो: 125 × 2 = 250

Write TWO Essays, choosing ONE from each of the Section A and B, in about 1000–1200 words each: 125 × 2 = 250

खंड–A / SECTION–A

1. प्रौद्योगिकी वह सशक्त साधन है जो उम्मीद और अवसर के बीच की दूरी तय करता है।
   Technology is that powerful tool which covers the distance between hope and scope.
2. अन्नदाता का उद्धार किसी दया में नहीं बल्कि नवाचार में है।
   Farmer's emancipation lies in innovation rather than mercy.
3. भारत के वे अनिवार्य सामाजिक परिवर्तन जिन्हें आप आगामी कुछ दशकों में होता देखना चाहेंगे।
   The necessary social changes that you wish to see in India in the next few decades.
4. पारंपरिक मूल्यों के साथ आधुनिक विश्व की समस्याओं का समाधान तलाशती भारतीय विदेश नीति।
   India's foreign policy: Exploring solutions to the problems of the modern world with traditional values.

खंड–B / SECTION–B

1. सर्वोच्च शिक्षा वह है जो सिर्फ हमें जानकारी नहीं देती अपितु प्रकृति के साथ हमारे सह-अस्तित्व को भी सुनिश्चित करती है।
   The best education is that which not only gives us information, but also ensures our coexistence with nature.
2. राजनीति में आदर्श अपेक्षित भी है और उपेक्षित भी।
   Ideals in politics are required as well as neglected.
3. समान के साथ समान व्यवहार किया जाना चाहिये और असमान के साथ असमान।
   Equals should be treated equally and unequals unequally.
4. उस समाज में स्वतंत्रता अर्थहीन है, जिसमें गलती करने की आज़ादी न हो।
   Liberty is meaningless in that society where there is no freedom to commit mistakes.

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

खंड–A / SECTION–A

1. प्रौद्योगिकी वह सशक्त साधन है जो उम्मीद और अवसर के बीच की दूरी तय करता है।
   Technology is that powerful tool which covers the distance between hope and scope.
2. अन्नदाता का उद्धार किसी दया में नहीं बल्कि नवाचार में है।
   Farmer's emancipation lies in innovation rather than mercy.
3. भारत के वे अनिवार्य सामाजिक परिवर्तन जिन्हें आप आगामी कुछ दशकों में होता देखना चाहेंगे।
   The necessary social changes that you wish to see in India in the next few decades.
4. पारंपरिक मूल्यों के साथ आधुनिक विश्व की समस्याओं का समाधान तलाशती भारतीय विदेश नीति।
   India's foreign policy: Exploring solutions to the problems of the modern world with traditional values.

"प्रौद्योगिकी वह सशक्त साधन है, जो उम्मीद और अवसर के बीच की दूरी तय करता है।"

कुछ दिनों पूर्व दूरदर्शन पर एक घटना देखी। एक पर्वतीय ब्लॉक का सुदूरवर्ती गाँव, प्राकृतिक तथा मानवीय संसाधनों से संपन्न, स्थानीय ज्ञान की बहुलता; लेकिन फिर भी आधारभूत सुविधाओं की वंचना का शिकार। दृश्य 50 वर्ष पहले की स्थिति बयाँ करता रहा था।

लेकिन वर्तमान स्थिति कुछ और ही थी। परिवहन, संचार, ऊर्जा की उपलब्धता, शिक्षा व

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

स्वास्थ्य सुविधा आदि कारण था-प्रौद्योगिकी के कारण पहुंच विस्तार। क्या वास्तव में प्रौद्योगिकी उम्मीद तथा अवसर के अंतराल को मिटा सकती है? यदि हाँ तो, कैसे? इस प्रक्रिया में क्या समस्याएँ है तथा इनका समाधान क्या है? इत्यादि बिंदुओं पर निबंध में विवेचन करेंगे।

शब्दशः प्रौद्योगिकी विज्ञान के मानवीय आवश्यकता पूर्ति का साधन बन जाने को इंगित करती है। यह शोध व अनुसंधान द्वारा संसाधनों के मानवीय जीवन के बेहतरी में प्रयोग को संभव बनाती है।

परंपरागत रूप से विज्ञान को मात्र खोजबीन का विषय माना जाता रहा है। जिसकी मानवीय समता विकास में भूमिका

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

को प्रायः उपेक्षित ही किया जाता रहा।

परंतु इन दोनों के बीच के अंतराल को दूर करने हेतु 'प्रौद्योगिकी' के नए क्षेत्र का सृजन किया गया। वर्तमान में हम विज्ञान के इसी रूप से अधिक वाकिफ है, जो हमारे दिन-प्रतिदिन के जीवन में घुलमिल सा गया है।

इसी संदर्भ में प्रौद्योगिकी विभिन्न क्षेत्रों में हमारे लक्ष्यों, उम्मीदों तथा मौजूद संसाधनों, अवसरों के बीच की दूरी कम कर विकास का मार्ग प्रशस्त कर रही है।

राजनीति के क्षेत्र में निष्पक्ष चुनाव, शासन-प्रशासन की लोकतांत्रिक जवाबदेही, सही नीति-निर्माण तथा प्रभावी क्रियान्वन वंचित वर्गों तक लाभ का सही वितरण आदि हमारे लक्ष्य हैं।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

इसी संदर्भ में ई.वी.एम, वी.वी.पैट मशीन, सी विजिल एप्लीकेशन, राष्ट्रीय ई-गवर्नेंस परियोजना, कार्य निगरानी हेतु प्रगति, माय गॉव.कॉम जैसी प्रौद्योगिकीयाँ इन उम्मीदों की प्राप्ति का साधन बन रही है।

साथ ही भविष्य में इंटरनेट द्वारा चुनाव, चुनावों की समयावधि कम करने, धनबल के बढ़ते प्रयोग को रोकने में भी यह मददगार हो सकती है।

अर्थव्यवस्था में बढ़ती साक्षरता, नगरीकरण, औद्योगीकरण, जीवन स्तर में सुधार, युवा जनसंख्या की बहुलता जैसे अवसर हमारे समक्ष है; जो देश के सभी नागरिकों का वित्तीय समावेशन, सभी को सामाजिक सुरक्षा, संवृद्धि के साथ विकास जैसी उम्मीदें भी है।

इन्हीं दोनों के बीच

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

का अंतराल प्रौद्योगिकी द्वारा भरा जा सकता है। प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण, ड्रोन द्वारा कार्यों की मॉनिटरिंग, GIS व मानचित्रण प्रणाली, JAM त्रिनिटी, आधार कार्ड, स्मार्टफोन्स व इंटरनेट, डिजिटल भुगतान हेतु एप्स इसमें महत्ती भूमिका निभा रहे हैं।

इसी प्रकार नवाचार, बौद्धिक संपदा अधिकार सृजन, ग्रामीण कला के संरक्षण के साथ उसे वैश्विक पहचान दिलाकर आय अर्जन के स्रोत में बदलने, कृषि में परंपरागत दृष्टिकोण के स्थान पर कृषि प्रबंधन, कृषि स्टार्टअप्स तथा नवीन कृषि प्रणालियां - संरक्षित कृषि, जलवायु स्मार्ट कृषि आदि को प्रौद्योगिकी द्वारा संभव किया जा सकता है। जैसे ई-कॉमर्स का उपयोग

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

साथ ही वैश्विक अर्थव्यवस्था से संबद्धता बढ़ाकर विश्व व्यापार, निवेश में भूमिका को भी बढ़ाया जा सकता है क्योंकि कौशल विकास कार्यक्रमों के कारण सृजित हो रहा कुशल श्रम, पाश्चिमी देशों में रैपिड एजिंग के कारण श्रम की बढ़ रही माँग नए अवसर पैदा कर रही है। इनसे अधिकाधिक विदेशी मुद्रा प्राप्ति, विचलनों के प्रति सुभेद्यता में कमी जैसी हमारी उम्मीदें भी पूरी होंगी। जैसे विदेश व्यापार नीति (2015), कृषि निर्यात नीति (2017) में वस्त्र क्षेत्रक पर विशेष ध्यान दिया गया है।

भारत की विविधता में एकता, व्यक्तिवाद के साथ समूहवाद तथा परंपरा के साथ आधुनिकता के समन्वय की संस्कृति को सोशल मीडिया,

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

दूरदर्शन द्वारा संदेश को रखा जा सकता है इससे परंपरागत कुरीतियाँ, भेदभावों - जाति, लिंग, रोग आदि आधारित पर, को दूर करने के साथ ही ग्लोबलाइजेशन, संस्कृतिकरण जैसे अवसरों का भी लाभ उठाया जा सकेगा।

देश की लगभग 62% जनसंख्या 15-59 वर्ष उम्र के कार्यशील समूह का भाग है। अतः इसे मानव पूँजी में बदलने के लिए शिक्षा, स्वास्थ्य, पेयजल, आवास की मात्रात्मकता के साथ गुणात्मक आपूर्ति भी आवश्यक है। प्रौद्योगिकी द्वारा ई-शिक्षा, ई-चिकित्सा, रिपोजिटरी निर्माण द्वारा डाटा विश्लेषण, अकुशल श्रम को प्रशिक्षण तथा प्रशिक्षित श्रम को AI, मशीन लर्निंग के अनुरूप ढालने का कार्य कर सकती है, जो विकास का लाभ अंतिम छोर पर खड़े कमजोर व गरीब व्यक्ति तक

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

पहुँचाकर समावेशी विकास को व्यावहारिक कर सकती है।

इसी प्रकार अंतरिक्ष विज्ञान, नाभिकीय विज्ञान, जीव विज्ञान, कण-भौतिकी आदि क्षेत्रों में हो रही हमारी प्रगति का रोगों के इलाज, बढ़ती दवा प्रतिरोध की घटनाएँ रोकने, विकेंद्रीकृत और ऊर्जा उत्पादन के लिए आधुनिकतम सौर पैनल बनाने, 5G संचार तकनीक की लागत कम करने आदि में उपयोग करके विभिन्न लक्ष्यों की प्राप्ति की जा सकती है जैसे सभी को ऊर्जा, सार्वभौमिक स्वास्थ्य देखभाल।

साथ ही स्वच्छ पर्यावरण, हरित विकास की हमारी उम्मीदों को बढ़ते जलीय, मृदा, वायवीय प्रदूषण, जलवायु परिवर्तन, ओजोन क्षरण, सुपोषण, अम्लीकरण को रोककर प्रौद्योगिकी पूरा कर

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

सकती है। प्रबंधन एवं सूचना प्रणाली, पूर्वानुमान व चेतावनी प्रणाली, सफा व समा जैसे एप्स इसी भूमिका का निर्वहन कर रहे है।

इसी क्रम में आपराधिक न्याय प्रणाली - पुलिस, जेल, न्यायपालिका के विभिन्न दोषों - जटिल व अपारदर्शी प्रक्रिया, खर्चीलापन, पहुंच का अभाव आदि को प्रौद्योगिकी द्वारा दूर कर सभी तक न्याय व सभी की न्याय तक पहुंच, मूलाधिकारों की रक्षा, गरिमामय जीवन, सामाजिक स्थिरता व शांति जैसे लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है। इंटीग्रेटेड केस इंफोर्मेशन एंड मैनेजमेंट सिस्टम, प्रो बोनो लीगल सर्विस, LJMBS योजना आदि को इसी संदर्भ में देखा जा सकता है।

और तो और अंतर्राष्ट्रीय संबंधों में राष्ट्र की नेतृत्वकारी

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

भूमिका सेमत बनाने, मृदुशक्ति के प्रसार तथा लोकतांत्रीकरण को बढ़ावा देने में भी प्रौद्योगिकी सहायक हो रही है। जैसे प्रवासियों के साथ पुन: जुड़ाव, निवेश के नए आयाम आदि। 2009 में शुरू आरब स्प्रिंग में भी प्रौद्योगिकी की महत्वपूर्ण भूमिका थी।

उपरोक्त के अलावा आतंकवाद तथा नक्सलवाद को रोकने, बेहतर आपदा प्रबंधन, सीमा प्रबंधन को सशक्त करने, सैन्य आधुनिकीकरण तथा हार्ड पॉवर विकसित करने जैसे अवसरों को भी प्रौद्योगिकी वास्तविकता में बदलने की क्षमता रखती है।

तथापि तस्वीर का एक दूसरा पहलू भी है। प्रौद्योगिकी उम्मीद व अवसरों के इस अंतराल को बढ़ा भी सकती है। महिला व पुरुष के बीच बढ़ते तथा गाँव व शहर

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

डिजीटल अंतराल, कुशल व अकुशल श्रम के बीच बढ़ते वेतन अंतराल, टूटते संयुक्त परिवार तथा पाश्चिमीकरण की अंध दौड़ में पतनोन्मुख नैतिकता इसके कुछ पक्ष प्रकटित करती है।

साथ ही केवल मात्र प्रौद्योगिकी की भी अपनी सीमाएँ है। बिना शोध व अनुसंधान, लोगों की तकनीक तक पहुँच, तकनीक के सही उपयोग; जैसे नाभिकीय तकनीक का ऊर्जा उत्पादन में उपयोग, न कि परमाणु बम बनाने में, आदि के इसकी संपूर्ण क्षमता का प्रयोग नहीं किया जा सकता है।

इन समस्याओं को दूर करने हेतु हमें बहुआयामी रणनीति अपनानी होगी; जो शिक्षा व्यवस्था में सुधार, लैंगिक विभेदों की समाप्ति, तकनीकी के

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

विकेंद्रीयकरण, साइबर सुरक्षा जैसे मुद्दों के समाधान आदि को सम्मिलित किए हुए होगी। इस हेतु अवसंरचनात्मक सुधार, शासन-प्रशासन में जन सहभागिता, शिक्षा-उद्योग इंटरफेस आदि क्षेत्रकों पर कार्य करना होगा।

वस्तुतः प्रौद्योगिकी एक कच्चे माल की तरह है, जो उपयोगकर्ता की क्षमता व नीयत के अनुसार रूप ग्रहण करती है। अतः हमें अपनी आवश्यकता व क्षमता को पहचानते हुए इसके महत्तम उपयोग की तरफ बढ़ना चाहिए।

सारांशतः कहा जा सकता है कि प्रौद्योगिकी मानव द्वारा सृजित कुछ बेहतर रचनाओं में से एक है, जो हमारे अवसरों को सफलता में बदलकर विकास व उन्नति को चिरस्थायी बना सकती है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

खंड-B / SECTION-B

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

1. सर्वोच्च शिक्षा वह है जो सिर्फ हमें जानकारी नही देती अपितु प्रकृति के साथ हमारे सह-अस्तित्व को भी सुनिश्चित करती है।

   The best education is that which not only gives us information, but also ensures our coexistence with nature.

2. राजनीति में आदर्श अपेक्षित भी है और उपेक्षित भी।

   Ideals in politics are required as well as neglected.

3. समान के साथ समान व्यवहार किया जाना चाहिये और असमान के साथ असमान।

   Equals should be treated equally and unequals unequally.

4. उस समाज में स्वतंत्रता अर्थहीन है, जिसमें गलती करने की आज़ादी न हो।

   Liberty is meaningless in that society where there is no freedom to commit mistakes.

"राजनीति में आदर्श अपेक्षित भी है और उपेक्षित भी।"

सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हुआ चुनाव के दौरान एक जनप्रतिनिधि अपनी सभा में एक समूह विशेष को खुश करने हेतु तुष्टिकरण की नीति अपनाए हुए थे तथा भड़काऊ व हिंसक बयानबाजी कर रहे थे। वीडियो देखकर मन सोच में पड़ गया। क्या वास्तव में राजनीति में आदर्श मात्र आदर्श बनकर रह गया है? क्या

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

वह सभी जगह उपेक्षा का शिकार बन रहा है? राजनीति में आदर्शों की क्या भूमिका है? वर्तमान में इन्हें अपनाने में क्या बाधाएँ आ रही है तथा इसके समाधान क्या है? इस निबंध में इन्हीं सब प्रश्नों के उत्तर खोजने का प्रयास करते हैं।

सर्वप्रथम शब्दों के अर्थों को समझ लिया जाए, तो राजनीति वह कार्यक्षेत्र है, जो आम जनता के जीवन से संबंधित होती है तथा विभिन्न गतिविधियों द्वारा विरोधी हितों के बीच समन्वय बनाकर व्यवस्था का सुचारु संचालन संभव बनाती है। वहीं राजनीति में आदर्श इस प्रक्रम के मूल्यों व सिद्धांतों को संदर्भित करते हैं, जो सार्वभौमिक व सभी पर लागू होते हैं।

वस्तुतः कोई भी विचार किन्हीं बुनियादी आधारों पर ही

Copyright – Drishti The Vision Foundation

टिका रहता है। राजनीति में ये आधार है - जन कल्याण, संतुलन, समन्वय, सहयोग, प्रेम, पारदर्शिता, उत्तरदायित्व व जवाबदेहिता तथा विकास। यद्यपि देश-काल के अनुसार इनकी प्राथमिकताओं में परिवर्तन अनुभूत किया जा सकता है।

भारत में प्राचीनकाल में मौर्य शासन में जहां इन आदर्शों की उच्चतम अभिव्यक्ति मिलती है, तो वहीं विदेशी आक्रमणों तथा ब्रिटिश काल में पतन भी दृष्टिगोचर होता है। स्वतंत्रता पश्चात पुनः इन्हें मुख्यधारा में शामिल करने के प्रयास शुरु हुए।

राजनीति में आदर्शों की अपनी एक प्रभावशाली भूमिका होती है। जो नेतृत्व को जनता से जोड़े रखती है, सार्वजनिक हित को प्राथमिक बनाए रखती है तथा जन-भागीदारी को प्रोत्साहित

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

करती है साथ ही सामाजिक संघर्षों को कम कर, भेदभावों के खिलाफ आवाज उठाकर तथा व्यक्ति को प्रबुद्ध बनाकर उसे मार्गदर्शन प्रदान करती है। इतिहास में घटित फ्रांसीसी व अमेरिकी क्रांति, भारत के राष्ट्रीय स्वाधीनता आंदोलन को भी इसी संदर्भ में समझा जा सकता है।

गाँधीजी ने भी इसी कारण राजनीति में नैतिकता के समावेशन को आवश्यकता माना, ताकि वह शोषण का माध्यम न बने तथा नागरिक अधिकारों, स्वतंत्रता का हनन न हो।

साथ ही स्थानीय स्वशासित संस्थाओं के स्तर पर ये आदर्श क्षेत्र की विविधता की रक्षा, नवनेतृत्व निर्माण, व्यक्ति के बहुमुखी विकास का आधार बनते हैं, तो दूसरी तरफ अंतर्राष्ट्रीय

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

राजनीति में अंतर्राष्ट्रीयतावाद, वसुधैव कुटुंबकम, विश्व शांति व सौहार्द की भावना का प्रसार करता है; जो आतंकवाद, प्रवासन व शरणार्थी समस्या, शस्त्रीकरण, विश्वभूमंडलीकरण जैसी समस्याओं का समाधान भी प्रस्तुत करती है।

इसी प्रकार सहकारी व प्रतिस्पर्धी संघवाद, विकास प्रशासन जैसे आदर्श विशाल राष्ट्रों को एकीकृत बने रहने की आवश्यकता की पूर्ति भी करते हैं; अन्यथा USSR के समान विघटनकारी प्रवृत्तियाँ विखंडन का मार्ग प्रशस्त कर सकती है।

चुनावों के समय स्वतंत्रता व निष्पक्षता, पारदर्शिता, समयबद्धता, विश्वसनीयता जैसे आदर्श स्वस्थ राजनैतिक संस्कृति का निर्माण करते हैं, जो लोकतंत्र की जड़ता को मजबूती प्रदान करते है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

वहीं विधायिका में संवाद, सहयोग, रचनात्मक विरोध जैसे आदर्श प्रतिनिधि लोकतंत्र को व्यावहारिक स्वरूप देने के साथ ही सरकार की निरंकुशता, दल की तानाशाही, संस्थानों की प्रतिष्ठा ह्रास तथा वैतिकाधीन शक्तियों के दुरुपयोग को रोककर नागरिक सशक्तीकरण में सहायक सिद्ध हो सकते हैं।

इसी प्रकार कार्यपालिका जन आकांक्षापूर्ति, राष्ट्रीय एकीकरण, समावेशी विकास के आदर्शों पर कार्य कर न केवल बहुसंख्यक-अल्पसंख्यक संघर्ष को रोक सकती है; बल्कि राजनैतिक समाजीकरण की प्रवृत्ति को भी गति प्रदान कर सकती है जो अंततः एक स्वस्थ प्रतिस्पर्धा का वातावरण तैयार कर दक्षता व प्रभावोत्पादकता बढ़ा सकती है।

तो क्या यह माना

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

जाना चाहिए कि उपरोक्त लाभों की एक लंबी सूची राजनीति में आदर्श को पूर्ण रूप से समाविष्ट किए हुए है? वास्तविक स्थिति कुछ दुःखदायी है। राजनीति में ये आदर्श उपेक्षा के शिकार रहे हैं।

दलगत राजनीति के कारण स्थानीय स्तर पर विभेद व संघर्ष बढ़े हैं, जिससे सामाजिक ग्रामीण ढाँचा कमजोर हुआ है। पंचायत पति की अवधारणा, वंचित वर्गों की सीमित भागीदारी अभी भी आदर्शों से विचलन को दर्शा रही है।

चुनावों में धनबल व भुजबल का बढ़ता प्रयोग, मनी, माफिया व मीडिया का अनुचित उपयोग, वोट न देने पर कार्य न करने की धमकी, राजनीति में जातिवाद का बढ़ता प्रयोग, बढ़ रहा अपराधीकरण, EVM पर उठते प्रश्न, निर्वाचन आयोग

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation
उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

की अग्रसक्रिय व प्रभावी भूमिका में ह्रास की प्रवृत्ति तथा दलों में आंतरिक लोकतंत्र का अभाव आदर्शों की उपेक्षा के द्योतक है।

इसी प्रकार विधायिका में केवल विरोध के लिए विरोध, अनुशासनहीन व्यवस्था, महिला विरोधी टिप्पणियाँ, सभी वर्गों के प्रतिनिधित्व का अभाव, उत्पादकता में हो रहा ह्रास (बैठकों का न हो पाना) आदि लक्ष्यों की प्राप्ति में बाधा बन रहे है।

कार्यपालिका - विधायिका नियंत्रण व संतुलन का कमजोर होना, कार्यपालिका के कार्यक्षेत्र का निरंतर हो रहा विस्तार, विधि के शासन की बजाय विधि द्वारा शासन की बढ़ती प्रवृत्ति आदर्शों के पतन को इंगित करती है।

इसी क्रम में बढ़ते केंद्र-राज्य विवाद, राज्यों द्वारा स्थानीय संस्थाओं को शक्तियाँ न दिया

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

जाना, राज्यपाल जैसे संवैधानिक पद की प्रतिष्ठा को पहुँच रही क्षति व संस्थाओं - CBI आदि का दलीय हितों के लिए प्रयोग के आरोप राजनीति में विश्वसनीयता का संकट उत्पन्न कर रहे है।

इसी प्रकार अंतर्राष्ट्रीय राजनीति में राष्ट्रीय हित की ही प्रधानता, दूसरे राष्ट्रों की संप्रभुता का उल्लंघन, कुटिल दांव-पेंचों का प्रयोग तथा अस्वस्थ प्रतिस्पर्धा आदर्शों को क्षति पहुंचा रही है।

फिर भी ऐसा नहीं है कि आदर्श पूर्ण रूप से उपेक्षित हो है। कहीं Pull व कहीं Push factors इनकी निरंतरता बनाए हुए है। जनप्रतिनिधियों की पुनः चुने जाने की आकांक्षा, विभिन्न कन्वेन्शन व कानून, जन संप्रभुता की अवधारणा, संस्थाओं की सुदृढ संरचना, सामाजिक जीवन के मूल्य, आधुनिक विचारों का प्रसार, संविधान तथा

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

संविधान प्रदत्त अधिकार आदि को उन कारकों में शामिल किया जा सकता है, जो उत्तरदायित्व, वस्तुनिष्ठता, निष्पक्षता, समावेशन आदि आदर्शों को व्यावहारिक बनाए हुए है।

साथ ही साक्षरता का विस्तार, शिक्षा में नैतिक मूल्यों का समावेशन, वैश्वीकरण की बढ़ती प्रवृत्ति, एकीकरण के खुलते नए आयाम भी इस प्रवृत्ति को गतिमान बनाए हुए है।

यदि राजनीति में आदर्शों की उपेक्षा के कारणों की बात की जाए; तो इसमें बढ़ते उपभोक्तावाद व भौतिकतावाद, न्यून जन जागरूकता व जन-संगठनात्मक क्षमता, कानूनों में लूपहोल्स (छिद्र), जटिल व महँगी न्याय प्रणाली, बुनियादी आवश्यकताओं की भी पूर्ति न हो पाने के कारण जनता की इस ढोंग के प्रति

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

उदासीनता, पर्याप्त व प्रभावी विनियमों की कमी, दलीय राजनीति की अपनी निहित कमजोरियों आदि को शामिल किया जा सकता है।

इन कारणों से एक दुष्चक्र सा निर्मित हो जाता है, जो ~~[illegible]~~ नकारात्मक परिणाम उत्पन्न कर ~~[illegible]~~ सुधारों की गति को रोक देता है। अतः इसे तोड़ने के लिए एक बहुआयामी व दीर्घकालिक रणनीति अपनानी होगी।

इस हेतु लोगों के जीवन स्तर में सुधार; शिक्षा व साक्षरता तक सभी की पहुंच; कानूनों के प्रभावी क्रियान्वन; चुनावी प्रक्रिया में सुधार; केन्द्र-राज्य संबंधों में टकराहट रोकने हेतु अंतर्राज्यीय परिषदों जैसी संस्थाओं के सुदृढ़ीकरण; विधायिका में सुधार हेतु तकनीकी प्रयोग।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

द्वारा जनता-नेता संबंधों को व्यापक बनाने, अनुशासित व्यवहार हेतु विनियमन; अंतर्राष्ट्रीय राजनीति में नियम आधारित व्यवस्था तथा अंतर्राष्ट्रीय संस्थानों के मजबूतीकरण व लोकतांत्रीकरण की आवश्यकता होगी।

वस्तुतः राजनीति में आदर्शों को काल्पनिक दुनिया की बातें मानकर छोड़ देने की अपेक्षा सुधार हेतु नवीन व एकीकृत प्रयास करने की आवश्यकता है। यद्यपि कार्य जटिल है, परंतु नामुमकिन कतई नहीं है।

अंततः कहा जा सकता है कि राजनीति में व्यावहारिक आदर्शों का समावेशन न केवल क्षेत्रीय, राष्ट्रीय, अंतर्राष्ट्रीय विकास व शांति की राह खोल सकता है, बल्कि संपूर्ण मानव जगत की समुन्नति व कल्याण का पथ-प्रदर्शक भी बन सकता है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation